

UNIVERSITY OF DELHI
DEPARTMENT : HINDI
COURSE NAME: BA (Prog.) HINDI
(SEMESTER -I)

Based on
Undergraduate Curriculum Framework 2022 (UGCF)
(Effective from Academic Year 2022-23)



DSC & GE

Course Title	Nature of the Course	Total Credits	Components			Eligibility Criteria/ Prerequisite	Contents of the course and reference is in
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	DSC	4	3	1	0		Annexure-I
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	DSC	4	3	1	0		Annexure-II
हिंदी क हिंदी: भाषा और साहित्य	GE	4	3	1	0		Annexure-III
हिंदी ख हिंदी: भाषा और साहित्य	GE	4	3	1	0		Annexure-IV
हिंदी ग हिंदी: भाषा और साहित्य	GE	4	3	1	0		Annexure-V

**विषय-आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम
(Discipline Specific Core)**

सेमेस्टर-I

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा।

साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक-विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इकाई-1

(क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1. हिंदी भाषा का उद्भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1. आदिकाल : काल-विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

इकाई-2

हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

1. भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)



इकाई-3

हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

इकाई-4

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
3. गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2

7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ



Assessment Methods

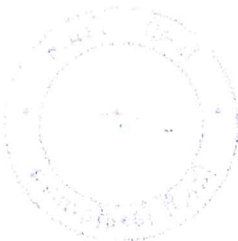
टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली



डॉ. श्यामराज सिंह / DR. SHYAMRAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली-110007 / Delhi-110007



विषय-आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम 2
(Discipline Specific Core 2)

सेमेस्टर-I

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Course Objective (2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना

हिंदी सिनेमा के विकास अध्ययन

कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे।

इकाई-1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई-2

हिंदी सिनेमा : उद्भव और विकास

इकाई-3

सिनेमा में कैमरे की भूमिका



इकाई-4

नयी तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियां

(संदर्भ : मुगलेआजम, मदर इंडिया, पीके)

References

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा
2. सिनेमा, नया सिनेमा : ब्रजेश्वर मदान
3. सिनेमा : कल, आज और कल : विनोद भारद्वाज
4. हिंदी का मौखिक परिदृश्य : करुणाशंकर उपाध्याय
5. हिंदी का मौखिक परिदृश्य : कौशल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2

7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमाई शब्दावली



(Generic Elective / Language)

सेमेस्टर-I

'हिंदी-क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता-संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई-1

(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क-भाषा के रूप में हिंदी

इकाई-2

हिंदी साहित्य का इतिहास

(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय



इकाई-3

(क) कबीर — कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : रस कौ अंग — 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 और 8

(ख) भूषण — भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1998; कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी — बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1,10, 13, 32

इकाई-4

- आधुनिक हिंदी कविता
- माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई
- जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग शृंग से
- नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि

1 से 3 सप्ताह : इकाई-1

4 से 6 सप्ताह : इकाई-2



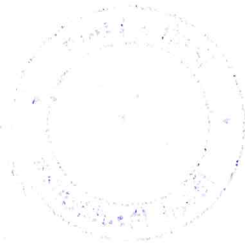
7 से 9 सप्ताह : इकाई-3

10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट



डॉ. श्यामराज सिंह / Dr. Shyamraj Singh
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Senior Professor and Head, Deptt. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली-110007 / Delhi-110007

(Generic Elective / Language)

सेमेस्टर-I

‘हिंदी-‘ख’ (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई-1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का उद्भव और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई-2

भक्तिकालीन कविता :

(क) कबीर — कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.



साखी : गुरुदेव कौ अंग — 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीता प्रेस, गोरखपुर से 'केवट प्रसंग'

इकाई-3

- मैथिलीशरण गुप्त : नर हो न निराश करो
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' — तोड़ती पत्थर
- केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई-4

आधुनिक कविता

- सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय
- निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

- 1 से 3 सप्ताह : इकाई-1
- 4 से 6 सप्ताह : इकाई-2
- 7 से 9 सप्ताह : इकाई-3



10 से 12 सप्ताह : इकाई-4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट


डॉ. श्यौराज सिंह / SHYORAJ SINGH
वरिष्ठ आचार्य एवं अध्यक्ष
Senior Professor and Head, Dept. of Hindi
दिल्ली विश्वविद्यालय / University of Delhi
दिल्ली-110007 / Delhi-110007

(Generic Elective / Language)

सेमेस्टर-I

‘हिंदी-‘ग’ (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई-1

हिंदी भाषा और साहित्य

(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार

(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विशेषताएँ

(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विशेषताएँ

इकाई-2

भक्तिकालीन हिंदी कविता :



कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण,
सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग — 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :

- मैया मैं नहिं माखन खायौ
- उधो मन न भए दस-बीस

इकाई-3

रीतिकालीन हिंदी कविता

(क) बिहारी :

- मेरी भव बाधा हरौ
- कनक कनक ते सौं गुनी
- कहत नटत रीझत खिजत

(ख) घनानंद :

- अति सूधो सनेह को मारग
- रावरे रूप की रीति अनूप

इकाई-4

आधुनिक हिंदी कविता

- सुमित्रानंदन पंत : आह! धरती कितना देती है
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य-मीमांसा : उदयभानु सिंह



3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम के विद्यार्थी युगबोध को ठीक से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है :

- 1 से 3 सप्ताह : इकाई-1
- 4 से 6 सप्ताह : इकाई-2
- 7 से 9 सप्ताह : इकाई-3
- 10 से 12 सप्ताह : इकाई-4
- 13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

